an>

Title: Need to improve public health care services in the country.

श्री नाना पटोले (भंडारा-गोंदिया) : देश की स्वास्थ्य सेवा अत्यंत दयनीय है। अमेरिका सहित मध्य-पूर्व के देशों की चिकित्सा व्यवस्था मुख्यतया भारतीय स्वास्थ्य कर्मचारियों पर निर्भर है लेकिन भारत की जनता स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से गुजर रही है। भारत में 1700 लोगों पर एक डॉक्टर उपलब्ध है जबकि "विश्व स्वास्थ्य संगठन" के अनुसार 1000 लोगों पर एक डॉक्टर होना चाहिए। सरकारी अस्पतालों की दयनीय हालत व कर्मचारियों में नैतिकता के अभाव के कारण आबादी का एक बड़ा हिस्सा सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित रहता है। साम्यवादी देश क्यूबा में पूरा चिकित्सा तंत्र सरकारी नियंत्रण में है। वहां डॉक्टर प्राइवेट प्रैक्टिस नहीं कर सकता लेकिन हमारे देश की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। हमारी सरकार को अपने राष्ट्रीय बजट में स्वास्थ्य सेवाओं पर अधिक खर्च हेतु प्रावधान की आवश्यकता है। सरकार को और देशों की तरह हेल्थ बीमा का प्रावधान लाकर बुजुर्गों व बेरोजगारों को लाभ देने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य सेवा सुधारे बिना हम विकसित देश बनने का सपना नहीं देख सकते, इसके लिए केन्द्र सरकार को शीघ्र कार्यवाही करने की आवश्यकता है।